र्रोकाही थं. श्री. (श्री.कृत.)-127 REGISTERED NO:- (B.N.) 127



## असाधार्**ग** EXTRAORDINARY

भाग II—इंग्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 619] नर्ष विस्ली, सोमवार, नवस्वर 28, 1988/अवहायण 7, 1910 NO. 619] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 28, 1988/AGRAHAYANA 7, 1910

इस भाग मों भिन्न पृष्ठ मंख्या की जाती हो जिससे कि यह अक्त संकालर के काप के राखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

बाद्य भीर नागरिक पूर्ति मंद्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

प्रधिमुचना

नई विल्ली 28 नवम्बर, 1988

का. मा. 1105(म) - केर्न्याय सरकार का यह समाधान हो गया है कि तकनीकी कारणों से मदर हेयरो दिल्लों के लिए मायानित घटर भायत (मखनिया तेल) को बाट और मानक माप (पैक वस्तु) नियम, 1977, की तीसरी भनुसूची में विनिद्धिट नानक परिणास में पहले से पैक करना संभव नहीं है। भतः, जाः, तेन्द्रीय सरकार, बाट भीर साप सानक (पैक वस्तु) नियम, 1977 के नियम 5 के परन्तुकः द्वारा अवस्य अभितर्यों का प्रयोग करते हुए नवर क्षेत्रको दिल्ली को पूर्व पैक किया हुआ प्रांगतित बटर आयल 2.49 कि.बा. के परिमाण में 30 नवंबर, 1939 नक, जिसमें यह शारीख भी सम्मिनित है, विपाणित करने के लिए शासिक्त करती है।

and the second of the second o

[फा नं उद्भयः एम-10(44)/87] बी. फे. सिन्हा, संयुक्त सर्वियः

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th November, 1988

S.O. 1105 (E):—Whereas the Central Government is satisfied that for technical reasons it is not possible for the Mother Dairy, Delhi, to pre pack imported butter oil in the standard quantities as specified in the Third Schedule to the Standards of Weights and Measures (packaged Commodities) Rules, 1977:

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by the proviso to rule 5 of the Standard of Weights and Measures (Packaged Commodities) Rules, 1977, the Central Government hereby authorise the Mother Dairy, Delhi to market pre-packed imported butter oil in 2.49 kg quantity upto and inclusive of the 30th day of November, 1989.

[F. No. WN-10 (44) [87] B. K. SINHA, Jt. Secy.